महत्वपूर्ण एवं खास

11वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कोरबा (आरएनएस)। कोरबा में 11वीं में पढऩे वाली छात्रा ने आत्महत्या कर ली है। वो अपने भाई के साथ स्कूल से लौटी थी। इसके बाद वह कमरे में गई तो फिर लौटी ही नहीं। कुछ देर बाद फंदे पर लटका हुआ उसका शव मिला है। मामला बालको थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 40 नेहरू नगर मुक्तिधाम के पास धनेश्वर राठौर का परिवार निवास करता है। धनेश्वर बालको प्लांट में निजी कंपनी में ठेका कर्मी हैं। उनके 3 बच्चे हैं। जिसमें सबसे बड़ी राधिनी राठौर 16 थी। राधिनी का छोटा भाई निखिल है और सबसे छोटी एक बहन है। निखिल और राधिनी एमजीएम स्कूल में पढ़ाई करते थे। रोज की तरह बुधवार को भी दोनों स्कूल गए थे। इसके बाद से दोनों स्कूल से लौट आए थे और अपने-अपने कमरे में चले गए। मगर राधिनी काफी देर तक कमरे से निकली ही नहीं। जिसके बाद उसकी मां कमरे में गई। जहां उन्होंने पंखे में फांसी के फंदे से लटकी हुई उसकी लाश देखी है। बच्ची की लाश देखकर उसकी मां रोने लगी। उसने तुरंत आस-पास के लोगों को और परिजनों को इसकी सूचना दी। खबर लगते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। पुलिस ने परिजनों से भी बात की है। मगर कोई जानकारी सामने नहीं आ सकी है। फिलहाल इतना ही पता चला सका है कि स्कूल से आने के बाद लडक़ी फोन में किसी से बात कर रही थी। मामले में जांच जारी है।

अमित शाह कल आएंगे कोरबा, राजधानी में कोई कार्यक्रम नहीं

रायपुर (आरएनएस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 7 जनवरी को रायपुर होकर कोरबा जाएंगे और आएंगे। प्रवास पर आ रहे हैं। शाह के प्रवास का प्रोटोकॉल संशोधन कर नया जारी किया गया है। गृह मंत्रालय से जारी संशोधित टूर प्रोग्राम अनुसार के शाह सात जनवरी को बीएसएफ के विमान से रांची से सीधे रायपुर होते हुए दोपहर 2:30 बजे कोरबा के एसईसीएल हैलीपेड ग्राउंड पहुंचेंगे। इसके पश्चात् 2:40 बजे माता सर्वमंगला मंदिर में दर्शन करेंगे। दोपहर 2:55 बजे टी.पी. नगर स्थित इंदिरा स्टेडियम में आमसभा को संबोधित करेंगे। तत्पश्चात् केंद्रीय गृहमंत्री 3:50 बजे पंचवटी/जश्न रिसॉर्ट में बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद शाम 4:40 बजे एसईसीएल हैलीपेड से माना एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे। वे एयरपोर्ट से ही दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

मधुमक्खियों के हमले से 3 स्कूली बच्चे हुए घायल

जगदलपुर (आरएनएस)। जिला मुख्यालय में बस्तर क्लब के पास स्तिथ पानी टंकी मे मधुमख्खियों ने बड़े पैमाने पर छत्ता बनाया है। यहां पर मधुमख्खियों ने पिछले तीन दिनों से लगातार वहां से गुजरने वाले लोगो पर हमला कर रहे हैं। रोजाना हो रही इस घटना से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, आज सुबह स्कूल जा रहे निर्मल विद्यालय के बच्चों पर मधुमख्खियों ने हमला कर दिया, जिससे तीन स्कूली बच्चे घायल हुए है जिसका इलाज महारानी अस्पताल में जारी है।

धर्मांतरण के विरोध में बंद का व्यापक असर दिखा दंतेवाड़ा में

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। नारायणपुर जिले में ईसाइयों द्वारा जनजातियों पर किए गए हिंसक हमले के विरोध एवं ईसाई मिशनरियों द्वारा की जा रही अनैतिक गतिविधियों के विरोध में आज समस्त जनजाति समाज ने बस्तर बंद का आह्वान के चलते दंतेवाड़ा नगर की सभी प्रतिष्ठानें पूरी तरह बंद थी। जिले में बंद का व्यापक असर देखने को मिला, सुबह से ही व्यापारियों ने अपनी प्रतिष्ठानें बंद रखी थीं। जनजातीय समाज ने मांग की है कि क्षेत्र में बढ़ती मतांतरण की गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाई जाए, ईसाई मिशनरियों द्वारा प्रार्थना सभा में प्रलोभन एवं यीशु के चमत्कार की झूठी कहानी गढऩे वालों पर कड़ी कार्यवाई हो। जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि ईसाइयों के द्वारा किसी भी प्रकार की हिंसक घटना को अंजाम नहीं दिया जाएगा, ताकि जनजाति समाज के लोग निश्चिन्त होकर अपना कार्य कर सकें।

छत्तीसगढ़ी पेंट के आगे मल्टी नेशनल फीके पड़े रंग

- छत्तीसगढ़ में महिलाएं बना रही पेंट, महात्मा गांधी का सपना हो रहा पूरा
- एमएनसी के उत्पादों को भी दे रहीं टक्कर
- प्राकृतिक पेंट निजी कम्पनियों की तुलना में 30 से 40 फीसदी सस्ता
- मुख्यमंत्री के निर्देश पर सरकारी भवनों में की जा रही है पुताई

रायपुर (आरएनएस)। गांवों में लिपाई-पुताई के काम आने वाले गोबर से अब इमल्शन और डिस्टेंपर पेंट तैयार किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ की महिलाओं का बनाया गया पेंट मल्टी नेशनल कंपनियों को टक्कर दे रहा है। पेंट निर्माण में मल्टी नेशनल कंपनियों के एकाधिकार को गांवों की महिलाएं तोड़ रही हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे इस उच्च गुणवत्ता के पेंट को देखते हुए सभी शासकीय भवनों की पुताई कराने के निर्देश दिए हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा इसके लिए एसओआर भी जारी कर दिया गया है।

राजधानी रायपुर के जरवाय गौठान, दुर्ग जिले के गांव लिटिया और कांकेर के सराधुननवागांव में गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने का कार्य शुरू किया गया है। पेंट निर्माण में अमूमन मल्टी नेशनल कंपनियां ही काबिज थीं लेकिन अब ग्रामीण महिलाएं भी इस क्षेत्र में मजबूती से कदम रख चुकी हैं। गोबर से बनने वाला प्राकृतिक पेंट बिल्कुल मल्टी नेशनल कंपनियों के द्वारा तैयार किए गए पेंट जैसा है। इसकी गुणवत्ता उच्च स्तरीय है, यह पेंट एंटी बैक्टीरिया और एंटीफंगल होता है।

गोबर से पेंट और वर्मी कम्पोस्ट तैयार कर महिलाएं महात्मा गांधी जी के आत्मनिर्भर गांव की कल्पना को साकार कर रही हैं। इससे गांव के लोगों को रोजगार के साथ ही उनकी तरक्की के लिए नए-नए अवसरों का निर्माण हो रहा है। जरवाय गौठान में डिस्टेंपर, इमल्शन पेंट के साथ ही पुट्टी का भी निर्माण हो रहा है। इसकी बिक्री राजधानी रायपुर के सीजी मार्ट में की जा रही है। इसे जल्द ही विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध कराने की योजना है। यह पेंट मल्टी नेशनल कंपनी के पेंट की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत सस्ता होने के साथ ही यह पर्यावरण के अनुकूल भी है।

गोबर से बने इस पेंट की कीमत बाजार में उपलब्ध प्रीमियम क्वालिटी के पेंट की तुलना में 30 से 40 फीसदी कम है। इमल्शन पेंट की कीमत 225 रूपए प्रति लीटर है। यह 1,2,4 और 10 लीटर के पैकेज में तैयार किया जा रहा है। साथ ही यह बड़ी कम्पनियों के पेंट की तरह करीब 4 हजार रंगों में भी उपलब्ध है। साथ ही पुट्टी डिस्टेंपर भी तैयार किया जा रहा है।

राष्ट्रीय स्तर की संस्था से प्रमाणित एवं गुणवत्तापूर्ण- यह पेंट भारत सरकार की संस्था राष्ट्रीय प्रशिक्षण शाला के द्वारा प्रमाणित भी किया गया है। साथ ही इसके विभिन्न प्रकार के गुण है यह एन्टी बैक्टीरिया, एंटीफंगल, इको-फ्रेंडली, नॉन टॉक्सिक है। यह भी वैज्ञानिक संस्थान द्वारा प्रमाणित है। इस प्राकृतिक पेंट में हैवी मटेरियल का उपयोग नही किया गया है और यह नेचुरल थर्मल इन्सुलेटर है अर्थात् इसमें चार से पांच डिग्री तापमान कम करने की क्षमता भी है।

रायपुर, दुर्ग और कांकेर के यूनिट में निर्माण शुरू- यह राजधानी के जरवाय गौठान के गोवर्धन क्षेत्र स्तरीय महिला स्व सहायता समूह द्वारा लक्ष्मी ऑर्गेनिक संस्थान के सहयोग से बनाई जा रही है। इस समय इस गौठान में स्थापित यूनिट द्वारा प्रतिदिन 2 हजार लीटर इमल्शन पेंट बनाने की क्षमता है। जिसे भविष्य में मांग अनुरूप 5 हजार लीटर तक वृद्धि की जा रही है। यहां पर पुट्टी और डिस्टेंपर भी बनाई जा रही है। इस पेंट से राजधानी के नगर निगम मुख्यालय की इमारत जोन क्रमांक 8 की इमारत में पोताई की गई है। वहीं दुर्ग जिले के ग्राम लिटिया की ग्रामीण बहनें गांव में ही डिस्टेंपर निर्माण कर रही हैं। डिस्टेंपर यूनिट की निर्माण क्षमता हर दिन हजार लीटर तक की है। उन्होंने इसका विक्रय भी आरंभ कर दिया है। कांकेर जिले के चारामा विकासखण्ड के ग्राम सराधुननवागांव के गौठान में सागर महिला क्लस्टर समूह द्वारा गोबर से पेंट का निर्माण किया जा रहा है, जिससे महिला स्व-सहायता समूह को आमदनी भी हुई है। इस गौठान में अब तक 1400 लीटर पेंट का निर्माण किया जाकर 373 लीटर पेंट का विक्रय भी किया जा चुका है, जिससे स्व-सहायता समूह की महिलाओं को 75 हजार 525 रूपये की आमदनी हुई है।

गोबर से पेंट बनाने की प्रक्रिया- विशेषज्ञों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह विधि दो दिन पुराने गोबर से होती है सबसे पहले गोबर को एक मिक्सिंग टैंक में डाला जाता है और उसमें बराबर मात्रा में पानी डाला जाता है पानी डालने के बाद मिक्सिंग टैंक में एजिटेटर लगा होता है यह एजिटेटर तब तक चलाते हैं जब तक गाय का गोबर बिल्कुल पेस्ट के समान ना हो जाए।

छत्तीसगढ़ में लौटी ठंड, बारिश ने गिराया तापमान,रायपुर-दुर्ग में छाया कोहरा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के मौसम भीगा- भीगा नजर आ रहा है। प्रदेश की राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में सुबह से हो रही बूंदाबादी ने ठंड में इजाफा कर दिया है। बुधवार सुबह से ही कई जिलों में कोहरा छाया हुआ है।

मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी से चल रही शीतलहरकी वजह ऐसी स्थिति बनी है। राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में घना कोहरा छाए रहने के साथ ही साथ ही हल्की बरसात भी हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि आगामी 2 दिनों तक राज्य में मौसम ऐसा ही बना ऐसा ही रहेगा।कोहरा होने के साथ कई इलाकों में यू ही बारिश भी हो सकती,जिससे ठंड बढ़ेगी। मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार और गुरुवार को छत्तीसगढ़ के सरगुजा, पेंड्रा रोड, जांजगीर, बिलासपुर, कोरबा, कवर्धा समेत विभिन्न क्षेत्रों में तडक़े घना कोहरा छाएगा। कोहरे की वजह से यात्रा करने वालों को सतर्क रहने की जरूरत है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि न्यूनतम तापमान में आगे भी गिरावट दर्ज की जाएगी। इस प्रकार 7 और 8 जनवरी को4 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखने मिल सकती है,जिसके कारण जबरदस्त ठंड का एहसास होगा। मौसम वैज्ञानिक एच.पी. चंद्रा के मुताबिकछत्तीसगढ़ में उत्तर की तरफ से ठंडी और शुष्क हवा का आना जारी है। बंगाल की खाड़ी से नमी युक्त हवा भी दो दिनों से आ रही है। रायपुर और दुर्ग संभाग के जिलों में इसका असर अधिक है।छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में मौसम बदलने से कड़ाके की ठंड पडऩे लगी है। ठंड का असर ऐसे दूरस्थ अंचलों में अधिक है,जहां जंगल हैं। सरगुजा संभाग में भी ठंड का असर देखा जा रहा है। जिसके चलते जिला प्रशासन ने स्कूलों में 3 दिनों का अवकाश घोषित कर दिया है। कलेक्टर कुंदन कुमार के आदेश के मुताबिक प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्कूल अब 7 जनवरी तक बंद रहेंगे।

कोहरे ने रोकी फ्लाइट लैंडिंग, रायपुर एयरपोर्ट पर नहीं उतर सके अहमदाबाद और मुंबई से आ रहे विमान

छत्तीसगढ़ में मौसम के करवट लेने का असर फ्लाइट की उड़ानों पर भी दिखाई देने लगा है। प्रदेश के कई जिलों में सुबह से ही कोहरा छाया हुआ है। वहीं रायपुर सहित कई जिलों में हल्की बूंदा-बांदी भी हुई है। खराब दृश्यता और कोहरे के चलते बुधवार को रायपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट की लैंडिंग रोक दी गई। इसके चलते मुंबई और अहमदाबाद से आनी वाली उड़ानों को नागपुर और भुवनेश्वर डायवर्ट किया गया है। जानकारी के मुताबिक, इंडिगो की उड़ान आईजीओ 6687 अहमदाबाद-रायपुर को दोपहर 12.37 बजे भुवनेश्वर की ओर डायवर्ट किया गया। जबकि इससे पहले एयर इंडिया की फ्लाइट एआईसी 651 मुंबई-रायपुर को सुबह 11 बजकर 53 मिनट पर खराब दृश्यता के कारण नागपुर की ओर डायवर्ट किया था। रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर खराब दृश्यता के चलते इन विमानों को लैंड करने की अनुमति नहीं दी गई।

छेरछेरा पुन्नी के अवसर पर दूधाधारी मठ पधारेंगे मुख्यमंत्री

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आगमन छेरछेरा पुन्नी के अवसर पर दूधाधारी मठ होगा। इसकी तैयारी प्रारंभ हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ी संस्कृति के संरक्षक मुख्यमंत्री बघेल जी छेरछेरा पुन्नी के अवसर पर दूधाधारी मठ छेरछेरा मांगने के लिए उपस्थित होंगे। वे मठपारा में भी परंपरागत रूप से छेरछेरा मांगेंगे। इस बात को लेकर मठपारा निवासी सभी लोग काफी प्रसन्न चित्त हैं। उन लोगों ने इससे पहले भी मुख्यमंत्री को छेरछेरा प्रदान किया है। प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां प्रारंभ हो चुकी है, रायपुर के जिलाधीश सर्वेश्वर भूरे ने नगर निगम के आयुक्त चतुर्वेदी जी के साथ दूधाधारी मठ पहुंचकर पीठाधीश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग से भेंट मुलाकात की एवं छेरछेरा के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पूरे मंदिर परिसर का अवलोकन किया एवं किन-किन स्थानों पर कौन-कौन सा कार्यक्रम होगा इनकी बारीकी से जानकारी राजेश्री महन्त जी महाराज से प्राप्त किया। राजेश्री महन्त जी महाराज ने उन्हें मंदिर में भगवान का दर्शन भी कराया और सम्मानित किया।

कलेक्टर ने ली शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

- आगामी परीक्षा को ध्यान में रखते हुए बच्चों के लिए एक्स्ट्रा क्लास की व्यवस्था के दिए निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम सिद्दकी ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने प्राचार्यों को आगामी परीक्षा परिणाम को और अधिक बेहतर करने के लिए बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने प्रैक्टिकल के साथ अन्य विषयों को भी पढ़ाने पर जोर देने की बात कही। साथ ही जिन स्कूलों में संबंधित विषय के शिक्षकों की कमी है, उस कमी को पूरा करने के लिए नजदीकी स्कूल, जहाँ उस विषय के शिक्षक उपलब्ध हैं उनके माध्यम से एक्स्ट्रा क्लास की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ.सिद्दकी ने कहा कि शिक्षा का क्षेत्र उनके लिए विशेष रूचि का क्षेत्र है और इसलिए वह स्वयं लगातार जिले की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक बेहतर करने के लिए स्कूलों में जाकर सतत् मानिटरिंग करेंगी। अपर कलेक्टर एवं अन्य अधिकारी भी समय-समय पर स्कूल जाएंगे और बच्चों को पढ़ाई हेतु प्रोत्साहित करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि परीक्षा के मद्देनजर आगामी दिनों में विषय विशेषज्ञों के द्वारा बच्चों के लिए एक्स्ट्रा क्लास उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है वहां बच्चों के लिए मॉडल प्रश्न/उत्तर पुस्तिका भी उपलब्ध कराई जाएगी। सभी बच्चों को उनके विषय आधारित पढ़ाई उपलब्ध हो, इस हेतु नोडल की नियुक्ति भी की जा रही है ताकि बच्चों को अपने विषय से संबंधित कक्षाओं के उपलब्धता की सतत् मॉनिटरिंग की जा सके।

कोकड़ी में शिवपुराण कथास्थल से पुलिस ने 12 संदिग्ध महिलाओं को पकड़ा

- पुलिस की अपील - 'क़ीमती ज़ेवर पहनकर आने से परहेज़ करें श्रद्धालु

बलौदाबाजार (आरएनएस)। बलौदाबाजार जिला मुख्यालय से 3 किलोमीटर दूर कुकरदी गांव में आयोजित शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं।

इस दौरान असामाजिक तत्व अपनी उपस्थिति के साथ घटनाओं को अंजाम देने में लगे हैं। सुरक्षा व्यवस्था में जुटी पुलिस ने इस दौरान 12 संदिग्ध महिलाओं को पकड़ा है। जो इस परिसर से चोरी की नियत से घूम रहे थे मामले में पूछताछ के बाद प्रतिबंधक कार्यवाही करते हुए महिला जेल भेजा गया।

बलौदा बाजार जिले के कुकरदी गांव में पंडित प्रदीप मिश्रा सीहोर मध्य प्रदेश की शिव महापुराण कथा 2 से 8 जनवरी तक आयोजित की गई है जिसमें प्रारंभ से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। अन्य स्थान पर हुआ आयोजनों के अनुभव को देखते हुए स्थानीय स्तर पर सीसीटीवी कैमरे और अन्य प्रबंध सुरक्षा के लिए गए हैं ताकि घटनाओं को रोका जा सके। फिर भी सामान्य रूप से भीड़ भाड़ वाली जगह पर जिस अंदाज में चोर उचक्के अपनी हरकत करते हैं, कुछ ऐसा ही यहां भी देखने को मिल रहा है।

पुलिस के पास इस बारे में शिकायतें प्राप्त हुई। वरिष्ठ अधिकारियों के जानकारी में आने पर उनके मार्गदर्शन प्राप्त करने के साथ जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। महिला पुलिस कर्मियों के साथ टीम तैयार की गई और आयोजन स्थल पर चौकसी बढ़ाई गई। इस दौरान रायपुर और नागपुर , बिलासपुर क्षेत्र से वास्ता रखने वाली 12 संदिग्ध महिलाओं को पकड़ा गया। उन्होंने यहां पर श्रद्धालु महिलाओं के पर्स और कीमती जेवर की चोरी करने की की नियत से कार्यक्रम में आना स्वीकार की। पूछताछ में पता चला कि महिलाएं श्रद्धालु होने का स्वांग रचकर कथा स्थल पर पहुंचती थी, ताकि किसी को उनके जेबकतरा या झपटमार होने पर बिल्कुल भी संदेह ना होने पाए। फिर आरती होने के दौरान या गुप्त दान के दौरान शातिराना हरकत कर यह कुख्यात गिरोह कुछ ही देर में यहां कई महिला श्रद्धालुओ के आभूषण व पर्स की चोरी कर लेती थी। पीडितों को इस बारे में तब पता चलता जब वे घर जाने के लिए उन्मुख होती।

शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग, पूरी दुकान जलकर खाक

बिलासपुर (आरएनएस)। शॉपिंग कांप्लेक्स में बीती रात को आग लग गयी। आग से मॉल की एक दुकान जलकर खाक हो गई। बीती रात को हुए हादसे की जानकारी किसी को नही लगी। आज सुबह गॉर्ड को पहुँचने पर इसकी जानकारी हाथ लगी। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में अग्रसेन चौक से पहले रघुराज स्टेडियम के सामने शिवम शॉपिंग मॉल है। माल में दर्जन भर दुकानें है। यहां कपड़ो,जूतों के अलावा सैनेटरी व रेस्टोरेंट का संचालन होता है। बीती रात यहां सभी व्यापारी अपनी अपनी दुकानें बंद कर चले गए। इसके साथ ही यहां संचालित कैफीबा रेस्टोरेंट को भी कर्मचारियो व मैनेजर ने सामान समेटने के बाद बंद कर दिया। शटर लगा कर सभी स्टाफ रेस्टोरेंट से चले गए। सुबह जब यहां गार्ड पहुँचा तो उसे अंदर धुंआ दिखाई दिया। जिस पर उसने कैफीबा रेस्टोरेंट के मालिक व मैनेजर को सूचना दी। सूचना पर पहुँचे मैनेजर ने जब ताला ख़ोल कर देखा तो अंदर रेस्टोरेंट में अब कुछ जलकर खाक हो चुका था।

आगजनी का कारण पता नही चला है पर ऐसा अंदेशा लगाया जा रहा है कि रेस्टोरेंट में किसी ग्राहक ने सिगरेट पीकर उसका जलता हुआ टुकड़ा फेंक दिया होगा जिसके चलते आग लग गयी होगी। या किचन में कुछ ज्वलनशील पदार्थ जलते हुए गलती से छूट गया होगा। आगजनी में रेस्टोरेंट का सारा माल जलकर खाक तो हो ही गया है, बाजू में स्थित जूता दुकान चरण स्पर्श में भी पूरा धुंआ भर गया था। हालांकि रात होने के चलते कोई जनहानि नही हुई पर यदि आग फैलती तो अन्य दुकानों के अलावा आस पास की रिहाइशी इलाको में भी नुकसान पहुँचा सकती थी। सिविल लाइन पुलिस घटना की जांच कर रही है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियां की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

छत्तीसगढ़ के लोक तिहार : दान की महान संस्कृति का परिचायक छेरछेरा

रायपुर (आरएनएस)। छेरछेरा पर्व पौष पूर्णिमा के दिन छत्तीसगढ़ में बड़े ही धूमधाम, हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इसे छेरछेरा पुन्नी या छेरछेरा तिहार भी कहते हैं। इसे दान लेने-देने पर्व माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन दान करने से घरों में धन धान्य की कोई कमी नहीं रहती। इस दिन छत्तीसगढ़ में बच्चे और बड़े, सभी घर-घर जाकर अन्न का दान ग्रहण करते हैं। युवा डंडा नृत्य करते हैं। छत्तीसगढ़ की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए शासन द्वारा बीते चार वर्षों के दौरान उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों के क्रम में स्थानीय तीज-त्यौहारों पर भी

अब सार्वजनिक अवकाश दिए जाते हैं। इनमें छेरछेरा (मां शाकंभरी जयंती) तिहार भी शामिल है। जिन अन्य लोक पर्वों पर सार्वजनिक अवकाश दिए जाते हैं वे हैं हरेली, तीजा, मां कर्मा जयंती, विश्व आदिवासी दिवस और छठ। अब राज्य में इन तीज-त्यौहारों को व्यापक स्तर पर मनाया जाता है, जिसमें शासन की भी भागीदारी होती है। इन पर्वों के दौरान महत्वपूर्ण शासकीय आयोजन होते है तथा महत्वपूर्ण शासकीय घोषणाएं भी की जाती है। छेरछेरा पुन्नी के दिन स्वयं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी परम्परा का निर्वाह करते हुए छेरछेरा मांगते हैं।

छत्तीसगढ़ का लोक जीवन प्राचीन काल से ही दान परम्परा का पोषक रहा है। कृषि यहाँ का जीवनाधार है और धान मुख्य फसल। किसान धान की बोनी से लेकर कटाई और मिंजाई के बाद कोठी में रखते तक दान परम्परा का निर्वाह करता है। छेर छेरा के दिन शाकंभरी देवी की जयंती मनाई जाती है। ऐसी लोक मान्यता है कि प्राचीन काल में छत्तीसगढ़ में सर्वत्र घोर अकाल पडऩे के कारण हाकाकार मच गया। लोग भूख और प्यास से अकाल मौत के मुँह में समाने लगे। काले बादल भी निष्ठुर हो गए। नभ मंडल में छाते जरूर पर बरसते नहीं। तब दुखीजनों की पूजा-प्रार्थना से प्रसन्न होकर अन्न, फूल-फल व औषधि की देवी शाकम्भरी प्रकट हुई और अकाल को सुकाल में बदल दिया। सर्वत्र खुशी का माहौल निर्मित हो गया। छेरछेरा पुन्नी के दिन इन्हीं शाकंभरी देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। यह भी लोक मान्यता है कि भगवान शंकर ने इसी दिन नट का रूप धारण कर पार्वती (अन्नपूर्णा) से अन्नदान प्राप्त किया था। छेरछेरा पर्व इतिहास की ओर भी इंगित करता है।